

न्यायालय जिला कलक्टर, चित्तौड़गढ़ (राज.)
पीठासीन अधिकारी : शिवांगी स्वर्णकार, आई.ए.एस.

1 प्र. सं. 11/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018

- पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये वनाम 1 श्री बालूदास पिता ख्याली दास
विकास अधिकारी पंचायत समिति वैष्णव निवासी सतखण्डा, तहसील
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
चित्तौड़गढ़
.....निगराकार 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण



निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 01 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

2 प्र. सं. 16/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018

- पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये वनाम 1 श्री भंवर सिंह पिता मान सिंह
विकास अधिकारी पंचायत समिति चुण्डावत निवासी सतखण्डा
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़ चित्तौड़गढ़
.....निगराकार 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण



निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 06 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

शिवान्गी स्वर्णकार
जिला कलक्टर
चित्तौड़गढ़

3 प्र. सं. 21/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये
विकास अधिकारी पंचायत समिति
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़

.....निगराकार

- बनाम 1 श्री रामरतन पिता शिव लाल
टेलर निवासी सतखण्डा तहसील
निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
- 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
- 3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
- 4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा

.....विपक्षीगण



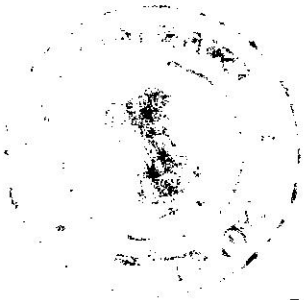
निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 11 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

4 प्र. सं. 28/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018


पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये
विकास अधिकारी पंचायत समिति
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़

.....निगराकार

- बनाम 1 श्री रूप लाल पिता भैरु लाल
डांगी निवासी सतखण्डा तहसील
निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
- 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
- 3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
- 4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण



निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 15 पु. सं. 354 दिनांक 20.01.2012


निगराकार
चित्तौड़गढ़

- 5 प्र. सं. 29/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018
पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये बनाम 1 श्री भैरु लाल पिता नाना लाल
विकास अधिकारी पंचायत समिति गुर्जर निवासी सतखण्डा तहसील
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़ मृत्तक
चित्तौड़गढ़ के बजाय:-
.....निगराकार
- 1/1 चांदी बाई पत्नि स्व. नाना लाल
गुर्जर निवासी सतखण्डा तहसील
निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़
2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण



निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 15 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

- 6 प्र. सं. 48/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018
पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये बनाम 1 श्रीमति रतन कंवर पत्नि लाल
विकास अधिकारी पंचायत समिति सिंह सिसोदिया जाति राजपूत
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला निवासी निम्बाहेड़ा, तहसील
चित्तौड़गढ़ निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
.....निगराकार
- 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तह. निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण



निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 25 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

2

7 प्र. सं. 54/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये
विकास अधिकारी पंचायत समिति
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़

.....निगराकार



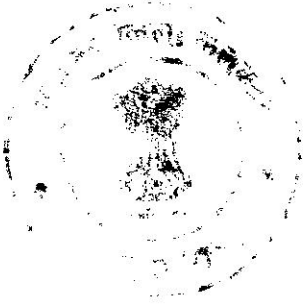
- 1 श्री आरीफ खां पिता अजीज खां
मुसलमान निवासी सादलखेड़ा
तहसील भदेसर जिला चित्तौड़गढ़
- 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तह. निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
- 3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
- 4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण

निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 31 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

8 प्र. सं. 58/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये
विकास अधिकारी पंचायत समिति
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़

.....निगराकार



- 1 श्रीमति नजमा बेगम पत्नि फिरोज
खां मुसलमान निवासी सतखण्डा
तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
- 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तह. निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
- 3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
- 4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण

निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 35 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012


निगरानी अधिकारी
निम्बाहेड़ा

9 प्र. सं. 59/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये बनाम 1
विकास अधिकारी पंचायत समिति
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
.....निगराकार

श्री शोकिन लाल पिता गणेश
लाल नायक निवासी सतखण्डा
तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़ मृतक के बजाय:-

- 1/1 तुलसी पत्नि शोकिनलाल नायक
निवासी सतखण्डा, तहसील
निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़
- 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तह. निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
- 3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
- 4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण



निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 36 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

10 प्र. सं. 66/2018 (नि.पं.)
पंजीयन दिनांक 10.09.2018

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जरिये बनाम 1
विकास अधिकारी पंचायत समिति
निम्बाहेड़ा तहसील निम्बाहेड़ा जिला
चित्तौड़गढ़
.....निगराकार

श्री मांगीलाल पिता शंकर लाल
डांगी निवासी सतखण्डा तहसील
निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़

- 2 ग्राम पंचायत सतखण्डा जरिये
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
तह. निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़
- 3 श्रीमती शीला सुराणा तत्कालीन
सरपंच ग्राम पंचायत सतखण्डा
- 4 श्री घनश्याम सिंह तत्कालीन एवं
सेवानिवृत्त सचिव ग्रा.पं. सतखण्डा
.....विपक्षीगण



निगरानी अन्तर्गत धारा 97 रा. पं. रा. अ. 1994 विरुद्ध ग्राम पंचायत, सतखण्डा
द्वारा जारी पट्टा संख्या 43 पु. सं. 323 दिनांक 20.01.2012

- उपस्थिति:- 1- श्री बसन्तों लाल पोखरजा, अधिवक्ता, निगराकार
2- श्री निलेश भटनागर, अधिवक्ता विपक्षी संख्या 03



निर्णय

दिनांक:- 18.06.2019

उपरोक्त सभी प्रकरण एक ही प्रकृति के होने से एक साथ एक ही निर्णय द्वारा निर्णित किये जा रहे हैं। निर्णय की प्रति उपरोक्त सभी प्रकरणों की पत्रावलियों में संलग्न की जावे। प्रस्तुत मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा विपक्षी संख्या 1 के पक्ष में पट्टे जारी करने से पूर्व नियम 142 के प्रावधानों के अनुसार सक्षम स्तर से योजना तैयार नहीं कराई गई और न ही सक्षम स्तर से योजना का अनुमोदन लिया गया तथा न ही पट्टे जारी करने से पूर्व पंचायत के अल्प आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग, विधवा व तलाकशुदा महिलाओं के लिए कोई भूखण्ड आरक्षित किये गये। इस प्रकार पंचायती राज अधिनियम के नियमों की कोई पालना नहीं की गई है और जो पट्टे जारी किये गये हैं वो विधि-विरुद्ध होने से निरस्त योग्य है। अतः निगरानी स्वीकार फरमाई जाकर विपक्षी संख्या 1 के पक्ष में जारी किए गए पट्टे निरस्त किये जाने का आदेश प्रदान करावें।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को सूचना पत्र जारी किए गए। विपक्षी संख्या 3 की ओर से अधिवक्ता श्री निलेश भटनागर ने अधिकार पत्र एवं जवाब पेश किए। विपक्षी संख्या 2 ने स्वयं उपस्थित होकर जवाब पेश किया। विपक्षी संख्या 1 व 4 बावजूद सूचना के उपस्थित नहीं हुआ। ग्राम पंचायत से संबंधित पत्रावली/रेकार्ड तलब किया गया। ग्राम पंचायत से रेकार्ड प्राप्त होने पर बहस प्रकरण उभय पक्ष सुनी गई।

निगराकार के अधिवक्ता ने निगरानी में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा जो ग्राम योजना तैयार की गई है वो नियम 142 के प्रावधानों के अनुसार तैयार नहीं की गई और न ही उसका सक्षम स्तर से अनुमोदन कराया। पट्टे जारी करने से पूर्व अल्प आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग, विधवा, तलाकशुदा महिलाओं, विकलांग आदि के लिए भूखण्ड आरक्षित नहीं किए गए। नीलामी समिति का गठन भी नियम 151 के अनुसार नहीं किया गया तथा नीलामी समिति में सतर्कता समिति के अध्यक्ष एवं भू अभिलेख निरीक्षक/पटवारी को सदस्य नहीं बनाया गया। ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा उक्त ग्राम योजना में 63 व्यक्तियों को एक साथ पट्टे जारी किये उसके संबंध में भैरूलाल नामक व्यक्ति ने भी माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में एक जनहित याचिका दायर की जिस पर माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर ने आदेश जारी कर जांच के आदेश दिए और इसकी जांच में भी आलोच्य पट्टे पंचायती राज नियम के प्रावधानों अनुसार नहीं पाए व उनमें अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। इस प्रकार ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा विपक्षी संख्या 1 के पक्ष में जारी उक्त पट्टे पंचायती राज अधिनियम के नियमों के विपरीत एवं विधि-विरुद्ध होने से निरस्त फरमावें।




अधिवक्ता
विपक्षी संख्या 03

विपक्षी संख्या 03 के अधिवक्ता ने कथन किया कि ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा आबादी की आराजी नम्बर 918/1948 रकबा 4.00 बीघा में 30X45 साईज के 63 भूखण्ड सार्वजनिक नीलामी से विक्रय किये जाने हेतु ग्राम पंचायत स्तर से प्लान तैयार किया तथा ग्राम पंचायत की बैठक में अनुमोदन उपरान्त प्लान अनुमोदन हेतु विकास अधिकारी, पंचायत समिति, निम्बाहेड़ा को जरिये पत्रांक ग्रा.पं./2011-12/स्पे दिनांक 20.09.2011 से प्रेषित किये जाने पर उनके द्वारा पत्रांक/पंसनि/पंचायत/2011-12/276 दिनांक 11.01.2012 से पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक दिनांक 30.12.2011 के प्रस्ताव संख्या 12(8) से अनुमोदन किये जाने से अवगत करा नियम 167 के तहत अन्य कार्यवाही हेतु निर्देशित किये जाने पर कार्यवाही की गई है। नियम 142 के तहत प्लान तैयार किया जाकर अनुमोदन कराये जाने व भूखण्ड विक्रय हेतु प्लान तैयार कर पंचायत समिति में पदस्थापित अभियंता द्वारा मौका निरीक्षण कर प्लान के आधार से भूखण्ड आवंटन करना उचित होने बाबत टिप्पणी अंकित कर हस्ताक्षर उपरान्त विकास अधिकारी को प्रस्तुत किया गया। उक्त प्लान वरिष्ठ अभियंता द्वारा अनुमोदन किया जाना अपेक्षित होने तथा तत्समय वरिष्ठ अभियंता पद पर कार्यरत आबकारी एवं वरिष्ठ अभियंता होने से उनके द्वारा अनुमोदन उपरान्त पंचायत समिति की साधारण सभा में प्लान अनुमोदन कराया है इस प्रकार ग्राम पंचायत द्वारा नियम 142 के प्रावधानों के अनुरूप ही योजना तैयार कर अमल में लाई गई है जिसमें किसी प्रकार की कोई वैधानिक त्रुटि नहीं है। राज. पंचायत राज. नियम, 1996 के नियम 141 से 156 में आबादी भूमि का विक्रय नीलामी के माध्यम से किये जाने संबंधी प्रावधानों में अल्प आय, मध्यम आय, विकलांग वर्ग, विधवा व तलाकशुदा महिलाओं के लिए भूखण्ड आरक्षित रखने का प्रावधान नहीं है फिर भी ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा आबादी भूमि आराजी नम्बर 920/1565 कुला रकबा 1.10 बीघा का ब्लॉक बी. एवं डी. को अ.जा./अ.ज.जा./बी.पी.एल., अल्प संख्यक आदि के लिए आरक्षित रखे जाने संबंधी सूचना समाचार पत्र दैनिक भास्कर के अंक दिनांक 19.10.2011 में प्रकाशित करवाई गई। नियम 151 उपनियम 1(iv) में तीन सदस्यों से नीलामी समिति की गण पूर्ति होगी का उल्लेख होने के आधार पर नीलामी समिति में स्वयं सरपंच, उपसरपंच, वार्ड पंच के उपस्थित होने व गणपूर्ति होने के उपरान्त ही भूखण्ड नीलामी की कार्यवाही पूर्ण की गई है। सभी भूखण्ड उप रजिस्ट्रार द्वारा नियत की गई सूचक दर से अधिक दर पर ही नीलाम से विक्रय किये गये हैं तथा भूखण्डों की विक्रय राशि 50,000/-रुपये से अधिक होने से नियम 154(3) (क) में वर्णित प्रावधान की पालना में ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा जरिये पत्र दिनांक 27.12.2011 से विकास अधिकारी, पंचायत समिति, निम्बाहेड़ा को विक्रित भूखण्डों की पुष्टि/अनुमोदन साधारण सभा की बैठक में कराये जाने का अनुरोध किया गया। इस प्रकार ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा किसी प्रकार प्रक्रिया का दुरुपयोग नहीं किया गया है। अतः निगरानी निरस्त फरमावे।

विपक्षी संख्या 2 ने जवाब प्रस्तुत किया कि निगरानी में वर्णित तथ्यों से ग्राम पंचायत सहमत है अतः उचित आदेश प्रदान करावे।




विपक्षी संख्या 2



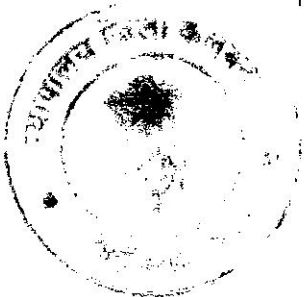
हमने उभय पक्ष की बहस पर मजन किया। पत्रावली में उपलब्ध अभिलेखों तथा अधीनस्थ ग्राम पंचायत सतखण्डा से प्राप्त रेकार्ड का गहनता से अवलोकन कर प्रकरण गुणावगुण पर देखा। तत्कालीन ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा दिनांक 22.12.2011 एवं 23.12.2011 को 30X45 साईज के 63 भूखण्डों को जरिये नीलामी विक्रय कर विपक्षी संख्या 01 के पक्ष में दिनांक 20.01.2012 को पट्टे जारी किये गये।

ग्राम पंचायत से प्राप्त रेकार्ड का अवलोकन करने पर स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत द्वारा राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 142 की पालना नहीं की गई है नियम 142 इस प्रकार है:- जब कभी आबादी के विकास के लिए भूमि किसी पंचायत को अंतरित की जाये तो वह ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में पदस्थापित नगर आयोजन के अधिकारी द्वारा जो सहायक नगर आयोजनाकार से नीचे की रैंक का न हो, ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक विकास योजना तैयार करायेगी। उसे विभाग के वरिष्ठ नगर आयोजनाकार द्वारा अनुमोदित किया जायेगा। ऐसे ग्रामीण क्षेत्र का भावी विकास अनुमोदित विकास योजना के अनुसार किया जायेगा। ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा प्लान, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में पदस्थापित नगर आयोजन अधिकारी/सहायक नगर आयोजनाकार से तैयार नहीं करवाकर अपने स्तर पर ही प्लान तैयार कर लिया गया है तथा उसे सक्षम स्तर (विभाग के वरिष्ठ नगर आयोजनाकार) पर भी अनुमोदन नहीं करवाया गया है बल्कि उसे पंचायत समिति स्तर पर ही कनिष्ठ अभियंता एवं विकास अधिकारी से अनुमोदन कराया गया है जो कि राज. पंचायती राज नियम 142 का स्पष्ट उल्लंघन है और न ही उक्त प्लान में वंचित वर्गों के लिए भूखण्डों को आरक्षित किया गया है नियम 142 (4) के तहत भूखण्डों का आवंटन भी राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार नहीं किया गया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा तत्कालीन विकास अधिकारी, पंचायत समिति, निम्बाहेड़ा के यहां प्लान तैयार कर अनुमोदन हेतु भिजवाया गया तो उन्हें भी प्रचलित नियमों के तहत उक्त प्लान को अस्वीकार करते हुए नवीन आवासीय योजना के प्लान का सक्षम स्तर से अनुमोदन कराने हेतु ग्राम पंचायत को सूचित किया जाना चाहिए था जो कि उनके द्वारा नहीं किया गया है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर निगराकार द्वारा प्रस्तुत निगरानियां स्वीकार योग्य पाई जाती है। अतः निगराकार द्वारा प्रस्तुत निगरानियां स्वीकार की जाकर ग्राम पंचायत सतखण्डा द्वारा गैर निगराकार/विपक्षी संख्या 01 के पक्ष में दिनांक 20.01.2012 को जारी किये गये पट्टा क्रमांक क्रमशः 01, 06, 11, 15 (पुस्तक संख्या 354), 15 (पुस्तक संख्या 323), 25, 31, 35, 36, 43 उक्त पट्टे निरस्त किये जाते हैं तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, चित्तौड़गढ़ को निर्देशित किया जाता है कि तत्कालीन दोषी सरपंच, सचिव एवं विकास अधिकारी निम्बाहेड़ा के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर इस न्यायालय को अवगत करावें। निर्णय की प्रति सभी संबंधित पत्रावलियों में संलग्न की जावे।

‘निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।’



(शिवांगी स्वर्णकार)
जिला कलेक्टर
चित्तौड़गढ़